

सरसना पुं. (तत्.) 1. रसयुक्त होना, पनपना, हरा होना 2. उन्मत्त होना 3. अधिक होना, बढ़ना 4. शोभित होना 5. नम्र, कोमल या सरल भाव से युक्त होना।

सर-सर पुं. (अनु.) 1. जमीन पर रेंगने का शब्द, रेंग कर चलने वाले जीवों के चलने से होने वाली आवाज 2. सरसराहट, वायु वेग से उत्पन्न ध्वनि 3. बहुत तेजी या फुर्ती से।

सरसराना पुं. (अनु.) 1. सरसर की ध्वनि होना 2. शीघ्रता से काम करना 3. सर सर शब्द उत्पन्न करना।

सरसराहट स्त्री. (तद्.) 1. सर-सर की आवाज, वायु के चलने, सांप आदि के रेंगने से उत्पन्न ध्वनि 2. शरीर के किसी अंग में होने वाली सुरसुराहट।

सरसरी वि. (फा.) 1. जमकर या गहराई से नहीं बल्कि यों ही जल्दबाजी में होने वाला कार्य जैसे-सरसरी नजर डालना 2. चलते ढग से या मोटे तौर पर होने वाला जैसे-सरसरी प्रक्रिया।

सरसाई स्त्री. (तद्.) सरसने की अवस्था या भाव शोभा, सुहावना पन।

सरसाना स.क्रि. (तद्.) सरसने में प्रवृत्त करना।

सरसाम पुं. (फा.) सन्निपात या निदोष नामक रोग।

सरसार वि. (फा.) 1. सरशार, मुँह तक भरा हुआ, लबालब 2. नशे में चूर, मदमत्त।

सरसिका स्त्री. (तद्.) छोटी सरसी या तलैया, छोटा तालाब, बावली हिंगुपत्री।

सरसिज वि. (तत्.) तालाब में पैदा होने वाला परंतु तालाब में पैदा होने वाली हर चीज सरसिज नहीं कहलाती केवल कमल के लिए इसका प्रयोग होता है, कमल पुष्प।

सरसिज योनि पुं. (तत्.) कमल से उत्पन्न अर्थात्, ब्रह्मा, पद्म योनि।

सरसिरुह वि. (तत्.) कमल, पंकज।

सरसेटना स.क्रि. (देश.) फटकारना, खरी-खोटी सुनाना, भला-बुरा कहना।

सरसों स्त्री. (तद्.) एक प्रकार का तिलहन जिसकी फलियों से छोटे-छोटे दाने निकलते हैं और इन

दानों की पिराई से तेल निकलता है, सरसों के दाने प्रजाति के अनुसार पीले या काले रंग के होते हैं, इसके पौधे तीन-चार फुट ऊंचे होते हैं।

सरसौंहा वि. (तद्.) 1. सरस, मधुर 2. प्रिय।

सरस्वती स्त्री. (तत्.) 1. भारतीय पुराणों के अनुसार विद्या और वाणी की अधिष्ठात्री देवी जिनका वाहन हंस माना जाता है, इनके एक हाथ में वीणा और दूसरे में पुस्तक है, वाग्देवी, भारती, शारदा 2. विद्या, ज्ञान, वाणी 3. पंजाब की एक प्राचीन नदी जो विलुप्त हो गई है टि. गंगा, यमुना, सरस्वती इन तीन नदियों को पवित्र माना जाता है, इलाहाबाद में त्रिवेणी के नाम से इनका संगम माना गया है 4. हठयोग में सुषुम्ना नाड़ी 5. संगी. कर्नाटक पद्धति की एक रागिनी 6. उत्तर भारत के संगीत में एक प्रकार की संकर रागिनी 7. सोमलता 8. ब्राह्मी नामक बूटी जिसे बुद्धि-वर्धक माना जाता है 9. मालकंगनी 10. गाय 11. एक प्रकार का छंद या वृत्त।

सरस्वती-कंठाभरण पुं. (तत्.) 1. ताल के साथ मुख्य भेदों में से एक 2. धार के परमार वंशी राजा भोज के द्वारा स्थापित की हुई एक प्रसिद्ध प्राचीन पाठशाला 3. भोज द्वारा रचित एक ग्रंथ।

सरस्वती-पूजा स्त्री. (तत्.) सरस्वती की पूजा जो विशेषकर वसंत पंचमी को की जाती है, इसे वसंतोत्सव के नाम से भी जाना जाता है।

सरस्वान वि. (तत्.) 1. जलाशय या तालाब संबंधी 2. रसीला, स्वादिष्ट 3. सुंदर 4. भावुक पुं. 1. समुद्र 2. नद 3. भैंसा।

सरहंग पुं. (फा.) 1. सेनानायक, सेना का प्रधान अधिकारी 2. पैदल सिपाही 3. पहलवान, मल्ल 4. चोबदार, पहरेदार 5. कोतवाल।

सरह पुं. (तद्.) 1. शलभ, पतिंगा 2. टिड्डी।

सरहज स्त्री. (तद्.) सलहज, साले की पत्नी।

सरहटी स्त्री. (तद्.) सर्पाक्षी नाम का पौधा, नकुल कंद।